विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 7 जुलाई 2020

वर्ग षष्ठ राजेश कुमार पाण्डेय

स्मरणीयम्

1. कारक क्रिया के साथ किसी ना किसी रूप से सम्बन्धित होता है।
2. हिंदी भाषा में कारक के आठ भेद हैं।
3. संस्कृत व्याकरण में कारक धह ही हैं। कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, अधिकरण।
4. संबोधन के रूप प्रथमा विभक्ति के सामान ही चलता है, अतः यह कारक नहीं है।
5. षष्ठी विभक्ति द्वारा घोतित पद का क्रिया से संबंध नहीं होता, अपितु क्रिया के अतिरिक्त आने दो पदार्थों या शब्दों के परस्पर संबंध को बताने के लिए षष्ठी विभक्ति प्रयुक्त होती है इसीलिए संबंध को भी कारक नहीं माना गया है।
6. अकारान्त नपुंसकलिङ्ग शब्दों के रूप अकारान्त पुंल्लिङ्ग के रूपों के सामान ही चलता है। केवल प्रथमा, द्वितीय, और संबोधन के रूप अलग होते हैं।
7. किम्, तत्, यत् तथा एतत् सर्वनाम शब्दों के रूप तीनों लिङोग मैं चलते हैं। तथा अस्मद् ओर युष्मद् के रूप दोनों लिङोग मैं एक समान चलते है।